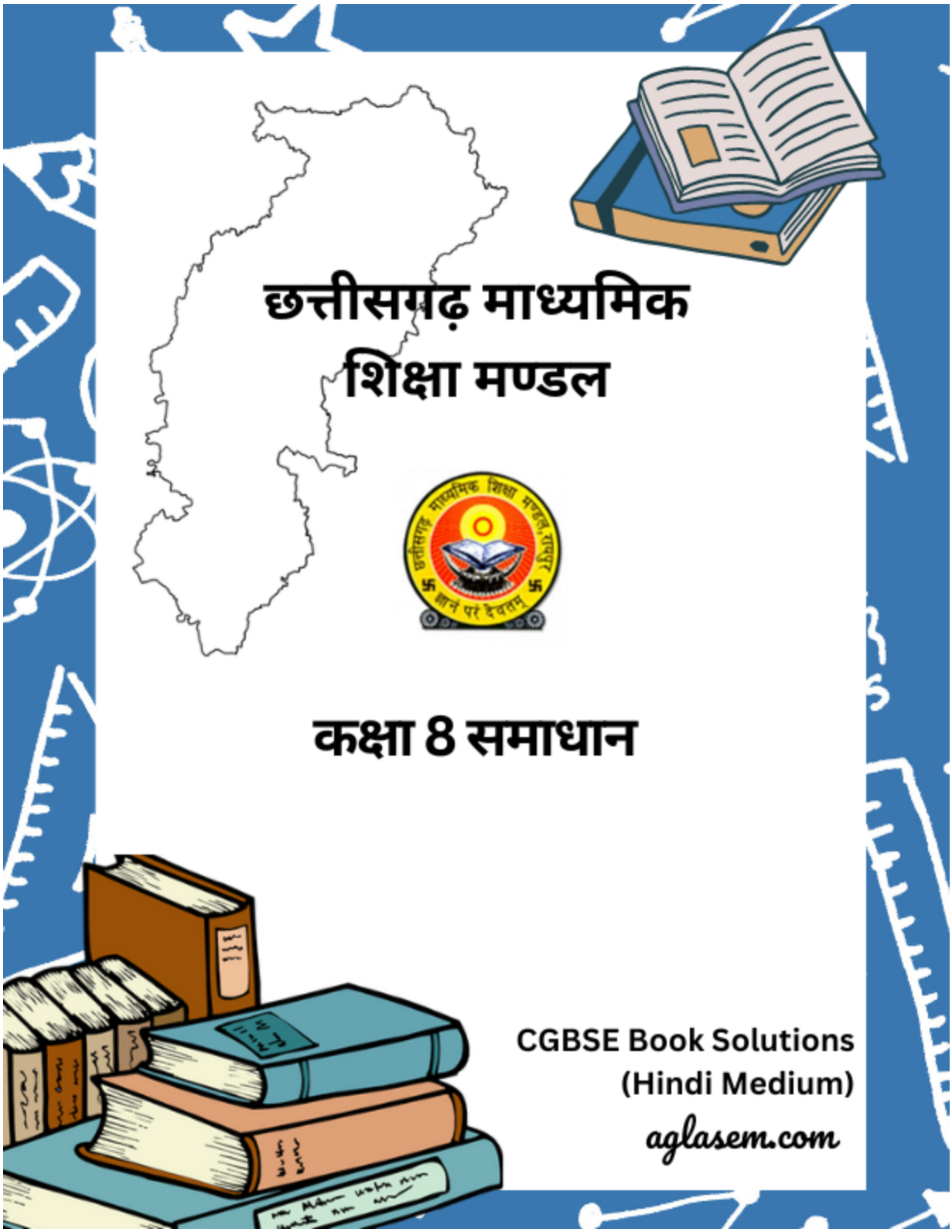
CG Board Class 8 Hindi Solutions



CGBSE Class 8 Hindi Solutions
Chapter - 23
युग नायिका -सावित्रीबाई फुले

अभ्यास :

पाठ से :

Page no : 124

प्रश्न **1 -** सावित्रीबाई में बचपन से ही कौन -कौन से गुण विद्यमान थे ?
उत्तर :- सावित्रीबाई में बचपन से ही समाज सेवा नेतृत्व धीरता एवं शूरता जैसे गुण दिखाई देने लगे थे।

Page no : 124

प्रश्न **2 -** सावित्रीबाई के पिता ने उनके हाथ से किताब छीनकर क्यों फेंक दी ?
उत्तर :- एक बार की बात है जब वह अंग्रेजी की किताब के पन्ने पलट रही थी तभी उनके पिता ने उनके हाथ से किताब छीनकर फेक दी क्योंकि उस समय सिर्फ ऊँची जाति के पुरुषों को ही शिक्षा का अधिकार था।

Page no : 124

प्रश्न **3 -** ज्योतिबा फुले कौन थे एवं सावित्रीबाई से उनके विचार किस तरह मिलते थे ?
उत्तर :- ज्योतिबा फुले पुणे के निवासी और एक समाज सुधारक भी थे। सावित्रीबाई फुले का विवाह ,ज्योतिबा फुले के साथ हुआ था। उन दोनों के विचार से समाज में जो बुराइयां व्याप्त थी वे इन सबके खिलाफ थे। सावित्रीबाई को जब अपने पति ज्योतिबा का साथ मिला तो इस प्रकार दो महाशक्तियां का मिलन हुआ इस मिलन के साथ ही भविष्य क्रांति का बीज अंकुरित हुआ

Page no : 124

प्रश्न **4 -** ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले परिवार से अलग क्यों हो गयी ?
उत्तर :- ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले को अपनी कोई संतान नहीं थी जिसके चलते उन्होंने एक विधवा ब्राह्मणी के बेटे यशवंत को पाला था उनके इस फैसले के कारण उनके परिवार वालो ने काफी विरोध किया था। इस कारण वह दोनों परिवार से अलग हो गए थे।

Page no : 124

प्रश्न **5 -** सत्यशोध समाज का क्या उद्देश्य है ?
उत्तर :- सत्यशोध समाज का उद्देश्य सत्य की खोज में लगे रहना है।

Page no : 124

प्रश्न **6 -** देश को पहली बालिका विद्यालय को संचालिका के रूप में सावित्रीबाई फुले को क्यों जाना जाता है ?

schools.aglasem.com

aglasem.com

उत्तर :- सावित्रीबाई फुले का विचार था, कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा महिलाओं और वंचित वर्ग को सशक्त बनाया जा सकता है। सन 1948 में जब सावित्रीबाई फुले केवल 17 साल की थी तभी उन्होंने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर वंचित वर्ग और स्त्रियों को शिक्षा देने के लिए एक विद्यालय की स्थापना की।

Page no : 124

प्रश्न **7 -** ब्रिटिश सरकार द्वारा सावित्री बाई फुले को किन **-**किन कार्यो हेतु सम्मानित किया गया **?**
उत्तर :- ब्रिटिश सरकार ने उन्हें सामाजिक सुधार और बदलाव के लिए सम्मानित किया था।

पाठ से आगे **-**

Page no : 124

प्रश्न **1 -** सावित्रीबाई फुले के विचारों से आप कहाँ तक सहमत है **?**श्रीमती फुले के विचारों पर कक्षा में सहपाठियों से चर्चा करें।
उत्तर :- विद्यार्थीगण स्वयं करें।

Page no : 124

प्रश्न **2 -** पाठ में लिखा है कि ज्योतिबा एवं सावित्रीबाई फुले **-**दोनों को शादी "दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो महाशक्तियों का मिलन था",आप विचार कर लिखिए कि ऐसा क्यों कहा गया **?**
उत्तर :- ज्योतिबा एवं सावित्रीबाई फुले -दोनों ही शादी "दो व्यक्ति का नहीं बल्कि दो महाशक्तियों का मिलन था। ऐसा इसलिए कहा गया है ,क्योंकि दोनों के ही विचार महिलाओं और समाज के निम्न ही विचार महिलाओं और समाज के निम्न वर्ग के उत्थान के लिए लगभग एक समान थे ज्योतिबा और सावित्री जी ने समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ मिलकर संघर्ष प्रारंभ कर दिया। उनका मानना था ,कि शिक्षा ही एकमात्र माध्यम दे जिसके माध्यम महिलाओ और निम्न वर्गो की दशा को सुधार जा सकता है। अतः हम यह स्पष्ट रूप से कह सकते है ,कि दोनों की शादी दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो महाशक्तियों का मिलन था तथा इस मिलन के साथ ही भविष्य के कठिनाई का बीज अंकुरित हुआ।

Page no : 124

प्रश्न **3 -** सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए प्रतिबंधक गृह ,विधवाओं के लिए आश्रम ,नवजात शिशुओं के लिए आश्रम खोला। यदि आपको समाज सुधार के कार्य करने होंगे ,तो आप क्या **-**क्या करना चाहोंगे **?**
उत्तर :- आज के आधुनिक परिवेश में हमारे आस -पास बहुत सी ऐसी समस्याएं है जिससे हम बदलाव लाना चाहेंगे। जिसमे प्रमुख रूप,बालमजदूरी महिलाओ को सामाजिक सुरक्षा तथा युवा पीढ़ी को वंशमुक्त करने का प्रयास शामिल है। इन क्षेत्रों में जागरूकता तथा उचित मार्गदर्शन को आवश्यकता है। यदि हमें समाज -सुधार का अवसर प्राप्त होता है ,तो हम इन ज्वलंत समस्याओं के समाधान पर समाज में कार्य करना चाहेंगे।

भाषा से **-**

Page no : 125

schools.aglasem.com

aglasem.com

प्रश्न **1 -** पाठ में एक लोकोक्ति होनहार बिरवान के होत चिकने पात का प्रयोग किया गया है। इस लोकोक्ति का विश्लेषण कीजिये।
उत्तर :- "होनहार बिरवान के होत चितने पात"
अर्थात प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के लक्षण पहले से ही दिखाई देने लगते है। इस कथन के अनुसार भविष्य की क्रन्तिकारी सावित्रीबाई के क्रन्तिकारी जीवन की यात्री शुरू हुयी थी पिता के साथ खेलना तथा उनके साथ मिलकर झगड़ो को निपटाना एवं माँ की रसोई में भी मदद करने में वे व्यस्त रहा करती थी। यह बचपन से ही साहसी एवं निर्भीक स्वभाव की थी। धीरता एवं शूरता जैसे आदर्श गुण इनमे बाल्यकाल से ही विद्यमान थे। अर्थात कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते ही है जो महानतम गुणों में साथ ही जन्म लेते है और यदि उनके इन अलौकिक गुणों को अनुकूल स्थिति ,शिक्षा -संस्कार एवं पथ -प्रदर्शक मिल जाये तो व्यक्तित्व ही महामानव बनकर उभरता है।

Page no : 125

प्रश्न **2 -** समाज शब्द में इक प्रत्यय लगाकर सामाजिक शब्द बना है। इक प्रत्यय युक्त शब्द पाठ से चुनकर लिखिए।
उत्तर **:-**

विचार +एक	वैचारिक
नीति +इक	नैतिक
इतिहास +इक	ऐतिहासिक
संसार +इक	सांसारिक
अधिकार +इक	आधिकारिक
दिन +इक	दैनिक
धर्म +इक	धार्मिक
व्यक्ति +इक	वैयक्तिक
परिवार +इक	परिवारिक
स्वभाव +इक	स्वाभाविक
प्रारंभ +इक	प्रारंभिक
आलोक +इक	अलौकिक

schools.aglasem.com
AglaSem Earn while Learn Program. Send your papers and get paid.
Contact: support@aglasem.com
aglasem.com